Total No. of Questions : 5] [Total No. of Printed Pages : 4

(1108)

UG (CBCS) RUSA IIIrd Semester (Old) Examination

1324

SANSKRIT
(Ved Natak Tatha Vyakaran)
(Major)

BASKT-0306

Time : 3 Hours] **[Maximum Marks : 70**

खण्ड-क 10×1=10

1. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों के अतिसंक्षिप्त उत्तर दीजिए–

(क) हिरण्यगर्भ सूक्त ऋग्वेद के किस मण्डल में है ?

(ख) हिरण्यगर्भ सूक्त में किस देवता की स्तुति है ?

(ग) 'वेणीसंहार' नाटक में कितने अङ्क हैं ?

(घ) 'वेणीसंहार' का क्या अर्थ है ?

(ङ) 'वेणीसंहार' में कर्ण के सेवक का क्या नाम है ?

(च) दुर्योधन की पत्नी कौन थी ?

(छ) ऋग्वेद के दशम मण्डल को प्राचीन माना जाता है अथवा अर्वाचीन ?

(ज) हिरण्यगर्भ सूक्त के अन्तिम मन्त्र में सृष्टि के रचयिता को किस नाम से सम्बोधित किया गया है ?

(झ) 'वेणीसंहार' के किस अङ्क में दुर्योधन की पत्नी अमंगल दूर करने हेतु देवार्चन करती है ?

(ञ) 'नी' धातु का लिट्लकार प्रथम पुरुष एकवचन में रूप लिखिए।

(ब) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **(25–50)** शब्दों में दीजिए— 5×4=20

(क) हिरण्यगर्भ सूक्त में प्रतिपादित सृष्टि प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए।

(ख) 'वेणीसंहार' के द्वितीय अङ्क का सार लिखिए।

(ग) 'वेणीसंहार' के अनुसार भीम के चरित्र पर प्रकाश डालिए।

(घ) यमक अलङ्कार का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए।

(ङ) पच् धातु के लिट्लकार में सभी रूप लिखिए।

खण्ड-ख

2. निम्नलिखित मन्त्रों में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए— 5×2=10

(अ) य आत्मदा बलदा यस्य विश्व उपाषते प्रशिषं यस्य देवाः।

यस्य छायामृतं यस्य मर्त्युः कस्मै देवाय हविषा विधेम॥

(ब) यश्चिदापो महिना पर्यपश्यद् दक्षं दधाना जनयन्तीर्यज्ञम।
यो देवेष्वधि देव एक आसीत कस्मै देवाय हविषा विधेम॥

(स) प्रजापतेन तवदेतान्यन्यो विश्वा जातानि परिताबभूव।
यत्कामास्ते जुहुमस्तन नो अस्तु वयं सयाम पतयोरणीयाम॥

खण्ड-ग

3. निम्नलिखित श्लोकों में से किन्हीं **दो** की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए– 5×2=10

(अ) चञ्चद्-भुज-भ्रमित-चण्ड-गदाभिघात-
सञ्चूर्णितोरुयुगलस्य सुयोधनस्य।
स्त्यानावनद्ध-घन-शोणित-शोणपाणि-
सतंसयिष्यति कचांस्तव देवि भीमः।

(ब) दुःशासनस्य हृदयक्षतजाम्बुपाने
दुर्योधनस्य च यथा गदयोरुभङ्गे।
तेजस्विनी समरमूर्धनि पाण्डवानां
ज्ञेया जयद्रथवधेऽपि तथा प्रतिज्ञा॥

(स) शोकैः स्त्रीवन्नयनसलिलं यत्परित्याजितोऽसि
भ्रातुः वक्षःस्थलविघदृने यच्च साक्षीकृतोऽसि।
आसीदेतत्तव कुनृपतेः कारणं जीवितस्य
क्रुद्धे युष्मत् कुलकमलिनीकुञ्जरे भीमसेने॥

खण्ड-घ

4. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं **पाँच** का लिट्लकार का प्रयोग करते हुए संस्कृत में अनुवाद कीजिए— 5×2=10

(क) राम का जन्म त्रेता युग में हुआ।

(ख) युधिष्ठिर ने द्रौपदी से पूछा।

(ग) श्रीकृष्ण पाण्डवों के साथ युद्ध में गए।

(घ) अर्जुन ने युद्धभूमि में जल दिया।

(ङ) अधर्म ने कौरवों का नाश कर दिया।

(च) बालिका ने गाय से दूध दुहा।

(छ) द्रौपदी ने श्रीकृष्ण को खाना पकाया।

(ज) अर्जुन कर्ण को दूर ले गया।

खण्ड-ङ

5. निम्नलिखित अलङ्कारों में से किन्हीं **दो** के लक्षण एवं उदाहरण लिखकर संगति कीजिए— 5×2=10

अनुप्रास, रूपक, व्यतिरेक, श्लेष।